कट m. (r. कटू s. म्र) 1) coxa, lumbus, clunis. Am. 2) elephanti tempus capitis. Am.

कारक m.n. (r. कार s. म्रका) castra; vicus; urbs. Hir. 34. 17.39.5.44.3.97.15.133.7.

काराचा m. (e कार iens, se movens - a r. कार् s. म्र - et म्रच oculus) adspectus obliquus. In. 2.32.

कि रि. (r. कटू s. इ) i.q. कर.

काउ (fem. काउ et काइजी) acer, acutus, de sapore. BH. 17.9.

करु 1. P. (तङ्कते) in miseria vivere, v. करू.

कठिन (r. कह s. इन) 1) durus, firmus, solidus. SAK. 11. 1.59.14. Ur. 24.4; v. कठार. 2) n. vas fictile. SA. 5.1. ubi corbem significare videtur. (Lat. catinum, gr. κόφινος.)

कठिनी f. (a praec. signo fem.) creta. HIT. 4.20.

कठीर (r. कर् s. म्रीर) durus. Am., v. कठिन

1. कार 1. P. (मद) ebrium esse, mente captum esse.

2. कार्ड 6. P. (मदे म्रदने रू. म्रदने दर्पे P.) ebrium, mente captum esse; superbum esse; edere.

काइङ्गर m. palea, acus (eris). Am.

कडार nigricans e gilvo, «tawny». Am.

कडुड 1. P. (कार्काश्ये) durum, rudem, severum esse.

1. कार्ण 1. म. (गती) ire.

2. का॥ 1. P. (प्राइदे K. म्रार्तस्को F.) sonare; gemere.

3. क्या 10. म. (निमीलने) nictari.

क्या (r. क्या s. த) 1) tenuis, exilis, parvus. Ur. 19.7. SAK. 45.7. 2) m. granum. Hrr. 9.14. 113.7.; v. क्या-यस्, क्यिष्ट. (Gr. κενός.)

काणिश m. spica. Am.

काणिष्ठ Superl. रहें काण, v. कानिष्ठ.

काणीयस् Compar. 18 काण, v. कानीयस्

कार् 1. P. (जिती, scribitur करू, gr. 110°).) ire; v. करू et sq.

काएक m.n. (r. काएटू s. म्र) 1) spina, ut videtur a crescendo dicta, nisi r. काएटू significavit pungere, sicut κεντέω quod probabiliter cum काएटू cohaeret. SA.6.5.

2) hostis. N. 26. 20. (Cf. gr. κεντέω, κεσ-τὸς, κέστρον.)

काएट कित (a praec. s. उत्) spinosus. Dr. 1.14.

कार्रि 1. et 10. p. (scribitur क्रू, gr. 110°).) dolere, lugere, moerere. (Fortasse huc pertinent gr. ΠΑΘ, ΠΕΝΘ, πέπον θα, πέν θος; lat. patior; mutatâ gutturali in labialem.)

c. उत् id. v. उत्कारठा, उत्कारिठत. Caus. GHAT. 5.: उत्कारठयन्ति पथिकान जलदाः स्वनन्तः

কান্ত m.n. gula. (Fortasse huc pertinet lat. collum, liquidis n et l inter se permutatis, et হ per assimil. converso in l; respicias rationem quam gr. aঁ১১০৫ et scr. সুকুর q.v. inter se tenent.

किएड़ 10. P. (भेदे K. भेदे रचिए। P.; scribunt कडू, gr. 110").)
findere; servare. (Lith. kándu mordeo; ita nostrum
beißsen, goth. rad. BIT, cohaeret cum scr. rad. भिद्र,
quae item findere significat; cambo-brit. cat fragmentum, v. Pikt. p.9.)

कार्ड f. (r. कार्ड s. 3) scabies, v. sq.

कार्डू f. (r. कार्डू s. ऊ) id.

काएड्यू (Denom. a काएडु vel काएडू s.यू, v. gr. 585.) scabere, radere, fricare. H. 2.6.

কায়েন n. (a praec. s. স্থন) actio scabendi, radendi. Ur. 88.13.

कार्यन्त m. (a praec. s. क्) fricator.

कत्, क्रांट्र Neutrum obsoletum Interrogativi, quod in initio compositorum deminutionem vel contemptionem exprimit, aeque ac क्रा, क्रिम्, क्र., v. gr. comp. 386.

कतम (a stirpe interr. क s. तम, v. gr. 277.) quis e pluribus quam duo. SAK. 18.5. infr.

নান (a stirpe interrog, ন s. না, gr. 277.) uter. Bh. 2.6. (Lith. katrà-s, gr. πότερος e κότερος, cf. jon. κότερον, κότερα; lat. uter, abjectà gutturali, v. gr. comp. 389. p. 565.; goth. hvathar Th. hvathara, germ. vet. huedar, angl. whether; slav. kotoryi qui, v. gr. comp. 297.)

कति (a stirpe interrog. क s. ति) quot. HIT. 117.20. (Lat. quot; ita tot convenit cum तित, v. gr. comp. 414.)